

स्वदेशी कदन्न खेती की पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उदयपुर ज़िले के झाड़ोल ब्लॉक में कदन्न (मलिट्स) की खेती की पहल ने किसानों की नई पीढ़ी के बीच [स्वदेशी बाजरा कसिमां की खेती](#) को पुनर्जीवित किया है, जिससे आजीविका प्रोत्साहन के साथ-साथ [प्राकृतिक खेती \(नेचुरल फार्मिंग\)](#) पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य बंदि

- पायलट परियोजना का उद्देश्य [स्थानीय आजीविका को बढ़ाने और सतत कृषिपद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रागी \(Finger Millet\), प्रोसो बाजरा, कंगनी \(Foxtail\) बाजरा तथा कोदो बाजरा](#) जैसी बाजरा कसिमां को पुनर्जीवित करना है।
- झाड़ोल के किसानों को [रासायनिक रूप से गहन कृषिपद्धतियों को अपनाने और बहु-फसल जैसे पारंपरिक फसल विविधीकरण के स्थान पर तेज़ी से लाभ देने वाली वाणज्यिक एकल-फसल को अपनाने के कारण फसल हानि का सामना करना पड़ा है।](#)
- पहचानी गई कदन्न कसिमां को मूल रूप से लघु बाजरा कहा जाता था और स्थानीय रूप से कुरी, बत्ती, कोदरा, चीना, समलाई एवं माल के रूप में जाना जाता था।
- उदयपुर ज़िले में कार्यरत [आंगनवाड़ी केंद्रों](#) ने बच्चों के लिये पोषण पूरक के रूप में कदन्न आधारित व्यंजन शामिल करना शुरू कर दिया है।
- उदयपुर स्थित [सर्वेच्छकिक समूह सेवा मंदिर](#) ने एक कार्यक्रम सहयोगी के माध्यम से लघु बाजरा की ज़मीनी स्तर पर खेती को सुवधाजनक बनाने के लिये परियोजना शुरू की।
- कदन्न हस्तक्षेप के परिणाम से उत्साहित होकर, सेवा मंदिर ने हाल ही में 1,000 किसानों के साथ बाज़ार तक पहुँच के लिये एक रूपरेखा तैयार की है।

कदन्न (MILLETS)

व्युत्पत्ति/ मिल्लेट्स/ मोटा अनाज:

- छोटे बीज वाली फसलों को मिल्लेट्स के रूप में जाना जाता है
- अक्सर उन्हें "सुपरग्रुन्स" के रूप में भी जाना जाता है
- इन अनाजों के प्रयोग सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए गए और वे भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से थे।

जलवायु संबंधी विशेषताएँ:

- भारत में मुख्य रूप से खरीफ की फसल
- तापमान: 27°C-32°C
- वर्षा: लगभग 50-100 सेमी
- मिट्टी का प्रकार: अम्ल जलोढ़ या दोमट मिट्टी

भारत और कदन्न:

- विश्व का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादक:
 - वैश्विक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- साधारण कदन्न:
 - रागी (Finger millet), ज्वार (Sorghum), मम (Little millet), कबज (Pearl millet), और प्रोसो (Proso millet)
 - स्वदेशी कसिमां (छोटे बाजरा)-कोदो, कुटकी, चैन और सौंदा
- शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:
 - गुजरात > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश
- सरकार की पहलें:
 - "गहन करने संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल" (INSIMP)
 - इंद्रियाराज बोध, मिल्लेट्स चरित्र हेल्थ
 - मिल्लेट्स स्ट्रॉन्ग इन्वैश्शन पैलेज
 - कदन्न के लिये एमएलसी में बुद्धि
 - कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को "पोषक अनाज" के रूप में घोषित किया

MILLET MAP OF INDIA



**अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष
वर्ष 2023**

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित

महत्त्व

- कम मद्य, पोषण की दृष्टि से बेहतर
- उच्च प्रोटीन, फाइबर, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स
- जीवमूल्य की समस्याओं और स्वास्थ्य (मोटापा, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- कोदो-असह्येयशील, जलवायु परिवर्तन को प्रति लचीला, कम खर्च

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indigenous-millet-cultivation-initiative>

